मराठी भाषेत गणेश आरती | शेंदुर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुख को

शेंदुर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुख को ।

दोंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहर को ।

हाथ लिए गुडलढ्डु सांई सुरवर को ।

महिमा कहे न जाय लागत हूं पद को ।

जय देव जय देव ॥०१॥

जय जय श्री गणराज विद्या सुखदाता ।

धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मन रमता ।

जय देव जय देव ॥०२॥

भावभगत से कोई शरणागत आवे ।

संतति संपत्ति सबहि भरपूर पावे ।

ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे ।

गोसावीनन्दन निशिदिन गुण गावे ।

जय देव जय देव ॥०३॥

जय जय श्री गणराज विद्या सुखदाता ।

धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मन रमता ।

जय देव जय देव ॥०४॥

---- Bhaktikatha.com-----